FIRST TERMINAL EVALUATION 2024 - 25 A

STD. IX HINDI Answer key

1. कौन-सा प्रस्ताव सही है ? 1

(ग) नटखट को कागज़ की नाव बनाना आता है ।

2. यहाँ नटखट के रोने का क्या कारण था ? 2

नटखट को शंका थी कि झटपट सारी घटना माँ से बता देगा । इसकी डर से नटखट गला फाडकर रोने लगा ।

3. कहानी के इस प्रसंग में नटखट और झटपट के बीच की संभावित **बातचीत** लिखें । 4

नटखट और झटपट के बीच की संभावित बातचीत

झटपट - अब तो तुम बह जाने से बच गए हो, फिर क्यों रो रहे हो ?

नटखट - (रोते हुए) तुम घर जाकर माँ सो शिकायत करोगे ।

झटपट - अगर न करूँ, तो ?

नटखट - तो जो कहो ।

झटपट - मुझे कागज़ की नाव बनाना नहीं आता । तुम सिखा दोगे ?

नटखट - हाँ, उसमें क्या है ! पर मुझे तैरना नहीं आता । तुम सिखा दोगे ?

झटपट - हाँ, उसमें क्या है ! (चिंतित होकर) अरे छोटे, हम दोनों के कपडे भीग गए हैं । हमें भीगे कपडों में देख माँ पूछेंगी तो क्या कहेंगे ?

नटखट - हाँ बडे ! अब ? (सोचकर) आओ, दौड लगाते हैं । कपडे अपने-आप सूख जाएँगे ।

झटपट - हाँ, यह ठीक है ।

अथवा

कहानी की घटनाओं को **क्रमबद्ध** करके लिखें ।

* नटखट नदी में कागज़ की नाव बहाता है ।
* छोटा भाई नदीं में गिर जाता है ।
* नटखट की जान झटपट बचाता है ।
* दोनों भाई तालाब में गिट्टी पैराते हैं ।

4. ततैया यहाँ किसके बारे में बात कर रही है ? 1

(ग) फरहाद के बारे में

5. सही विकल्प चुनकर लिखें । 1

(ख) वे + का = उनका

6. **कोष्ठक** से सही शब्द चुनकर वाक्य को आगे बढाएँ । 2

* फरहाद पढते हैं ।
* फरहाद किताब पढते हैं ।
* फरहाद **रोज़** किताब पढते हैं । / फरहाद किताब **ध्यान से** पढते हैं ।
* फरहाद रोज़ किताब **ध्यान से** पढते हैं । / फरहाद **रोज़** किताब ध्यान से पढते हैं ।

7. कहानी के आधार पर **चार सही प्रस्ताव** चुनकर लिखें । 4

(क) फरहाद के घर में छिपकली खुश थी ।

(ग) फरहाद घर में बहुत कम जगह लेते हैं ।

(च) फरहाद वाचन में रुचि रखते हैं ।

(छ) फरहाद घर में बहुत कम समय रहते हैं ।

अथवा

फरहाद की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखें।

दयालु फरहाद

श्रीमान फरहाद प्रभात से लिखा हुआ घर कहानी का प्रमुख पात्र है। वह सहजीवियों के प्रति विशेष प्रेम रखनेवाला संवेदनशील आदमी है। वह छोटे जीवों को कभी सताता नहीं चाहता है। वह अपने घर में अधिकांश जगह सहजीवों केलिए देती है। वह घर की सीमित सुविधाओं से ही संतुष्ट हो जाता है। घर के तमाम सूक्ष्म जीवों को पूर्ण स्वतंत्रता देकर, फरहाद उन्हें अपना परिवार मानता है। उनकी खुशी देखकर फरहाद भी खुश हो जाता है। घर के जीव-जंतु भी उसे बहुत चाहता है। वह पुस्तक बहुत पढता है। वह दिन भर सामाजिक कार्य में लगे रहते हैं और रात को केवल सोने केलिए घर आता है। वह मनभावन चरित्रवाला, अध्यवसायी और मननशील है। वह शांत, सादा जीवन और उच्च विचार रखनेवाला भी है। इस प्रकार फरहाद के चरित्र में प्रकृति से मेल खाकर रहना चाहनेवाला एक प्रकृति प्रेमी को हम देख सकते हैं।

8. विशेषण शब्द चुनकर लिखें। 1

(ग) बहुत

9. समान आशयवाली पंक्ति कवितांश से चुनकर लिखें। 1

खेत स्वर्णवर्णी फसलों से समृद्ध है।

Ans - पकी-सुनहली फसलों की मुसकान

10. कवि ने किसकी आवाज़ को कोकिलकंठी तान कहा है? 1

(घ) किशोरियों की

11. कवि और कविता का परिचय देते हुए **कवितांश का आशय** लिखें। 4

बहुत दिनों के बाद - गाँव की ओर वापसी

प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी के प्रगतिशील कवि नागार्जुन की बहुचर्चित कविता ‘ बहुत दिनों के बाद ’ से ली गई हैं। इस कविता में गाँव के प्रति कवि अपना लगाव प्रकट करते हैं। कवि एक लंबे समय के बाद अपने गाँव में आते हैं और यहाँ अपूर्व आनंद का अनुभव करते हैं। इस कविता में कवि ने अपने पाँच इंद्रियों से प्राप्त किए गए सुख का वर्णन किया है।

पहले छंद में कवि कहते हैं कि उन्होंने अबकी बार गाँव की पकी सुनहली फसलों को मुस्कराती पाई। यह दृश्य उनकी आँखों को शीतलता प्रदान किया। यह ग्रामीण वातावरण शहर में दुर्लभ है। यहाँ कवि अपनी आँखों से रूप की अनुभूति प्रकट करते हैं।

दूसरे छंद में कवि कहते हैं कि अबकी बार अच्छी फसल मिली है। इसलिए गाँव की कन्याएँ अत्यंत खुशी में हैं। वे गान गाकर खुशी के साथ ओखली में धान कूटती हैं। बालिकाओं का यह मीठा संगीत उनके कान केलिए अमृत धारा बन गयी है। यहाँ कवि कानों से अपने गाँव का अनुभूति करते हैं। कवि कहते हैं कि कई दिनों के बाद अब उन्हें अपने गाँव में जी भर जीवन जीने का अवसर मिला।

ग्रामीण सौंदर्य का वर्णन करनेवाली यह कविता गाँव से बिछुडकर अलग होनेवाले लोगों को इसकी ओर वापस लाने की प्रेरणा देनेवाली है। कविता के प्रत्येक छंद के आदि और अंत में ‘ बहुत दिनों के बाद ’ दोहराया गया है। ‘ जी भर ’ शब्द की पुनरावृत्ति कविता में एक विशेष लय और शैली को जोडता है। इसके साथ ही सहज, सरल शब्द और बिंबों का प्रयोग कविता को एक अलग सौंदर्य प्रदान करता है।

12. फूल कविता के कवि कौन हैं? 1

(घ) डॉ. रामदरश मिश्र

13. कवि की राय में बच्चे यहाँ किससे वंचित हो गए हैं? 1

(क) फूलों की पहचान से

SREEJITH R, KUDOOR, VARKALA, SCRIBS

14. जुलाई 28 ' **विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस** ' है ।

इस अवसर पर ' **प्रकृति सबका घर** ' का संदेश देनेवाला **पोस्टर** तैयार करें । 4

प्रकृति सबका घर

प्रकृति को बचाएँ ... जीवन बचाएँ ...

प्रकृति हमारी माँ ... प्रकृति की रक्षा

इसका शोषण मत करो हम सबकी सुरक्षा

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस - जुलाई 28

प्रकृति से अलग होकर हम जी नहीं सकते

- प्रकृति संरक्षण समिति, केरल

15. **नमूने के अनुसार लिखें ।** 1

झटपट तैरता है ।	झटपट तैर रहा है ।
झटपट और नटखट दौडते हैं ।	--------------------------- ।

Ans - **झटपट और नटखट दौड रहे हैं ।**

16. ' प्यार ' का समानार्थी शब्द कौन-सा है ? 1

(ख) स्नेह

17. गुस्सा आने पर भी झटपट ने नटखट को नहीं मारा । क्यों ? 2

नटखट नदी में गिरकर बह जाने से बहुत डरा और घबराया हुआ दिखा । इसलिए नटखट को इस हालत में देखकर गुस्सा आने पर भी झटपट ने उसको नहीं मारा ।

18. झटपट ने नदी में कूदकर नटखट को बचाया । झटपट की उस दिन की **डायरी** लिखें । 4

तारीख : …………………..

आज एक बुरा दिन था । आज नटखट ने हद कर दी । स्कूल से लौट रहा था । तब वह मेरी नज़रों से बचकर नदी किनारे कागज़ की नावें बहाने केलिए गया । लेकिन पैर फिसलकर वह नदी में गिर पडा । यह देखकर मैंन तुरंत नदी में कूद पडा । थोडी दूर तैरने के बाद ही मैंने नटखट को पकडा लिया और किनारे पर ले आया । मुझे गुस्सा आया । नटखट को दो झापड लगाना चाहा । पर वह डरा और घबराया हुआ था । मुझे उसपर प्यार आ गया । उसने मुझे माँ से वह बात न कहने को कहा । इसलिए हमने दौडकर कपडे सुखा दिए । माँ से हम कुछ नहीं कहा । इस घटना के बारे में सोचते ही मन घबरा जाता हूँ । भगवान की कृपा से वह बच गया । काश ! मुझे तैरना नहीं आता तो उसका क्या हाल होता ? यह घटना मैं कभी नहीं भूलूँगा ।

अथवा

कहानी के आधार पर **सही मिलान** करें ।

नटखट	बडे को गिट्टी पैराना सिखाता है ।
माँ	झटपट को उपदेश देती है ।
बतखें	तालाब के पानी में तैरती हैं ।
झटपट	नदी से छोटे को बचाता है ।

19. **कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति करें और ब्लर्ब के इस अंश का पुनर्लेखन करें ।** 4

प्रेमचंद हिंदी साहित्य के सुप्रसिद्ध **कथाकार** हैं । उनका अनश्वर उपन्यास है **गोदान** । यह होरी नामक एक ग्रामीण **किसान** की कहानी है । इसमें उन्होंने भारत की तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का चित्रण किया है । प्रेमचंद की सहज और **सरल** भाषा पाठकों को आकर्षित करती है ।

- o O o -

SREEJITH, KOVOOR, VARKALA, SCRIPS